Set 2013-4

विषय कोड / Subject Code : 367 पुस्तिका क्रम / Question Paper Series : A

विषय / Subject : **Philosophy**

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या /
Number of Pages in Booklet : 32

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या /
Number of Questions in Booklet : 75

A 3670089

प्रश्न पत्र – तृतीय / QUESTION PAPER - 3

अनुक्रमांक / Roll No. (अंकों में / In figures) :

(शब्दों में / In Words) ....

समय / Time : $2\frac{1}{2}$ घंटे / Hours

पूर्णांक / Maximum Marks : 150

INSTRUCTIONS :

1. Answer all questions.
2. All questions carry equal marks.
3. Only one answer is to be given for each question.
4. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
5. Each question has four alternative responses marked serially as 1, 2, 3, 4. You have to darken the correct answer.
6. There will be no negative marking for wrong answer.
7. The candidate should ensure that Roll Number, Subject Code and Series Code on the Question Paper Booklet and Answer Sheet must be same after opening the envelopes. In case they are different, a candidate must obtain another Question Paper of the same series. Candidate himself shall be responsible for ensuring this.
8. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.
9. The candidate will be allowed to carry the carbon print-out of OMR Response Sheet with them on conclusion of the examination.
10. If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature then out of Hindi and English Version of the question, the English Version will be treated as standard.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorised material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under Section 3 of the R.P.E. (Prevention of Unfairmeans) Act, 1992. Commission may also debar him/her permanently from all future examinations of the Commission.

निर्देश :

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का केवल एक ही उत्तर दीजिए।
4. एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
5. प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4 अंकित किया गया है। अभ्यर्थी सही उत्तर वाले गोलें को काला करें ।
6. गलत उत्तर के लिए ऋणात्मक अंकन नहीं किया जाएगा ।
7. प्रश्न–पत्र पुस्तिका एवं उत्तर पत्रक के लिफाफे की सील खोलने पर परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि उसके प्रश्न–पत्र पुस्तिका एवं उत्तर पत्रक पर समान रूप से अनुक्रमांक, विषय कोड एवं प्रश्न पुस्तिका की सीरीज अंकित है । इसमें कोई भिन्नता हो तो वीक्षक से प्रश्न–पत्र की ही सीरीज वाला दूसरा प्रश्न–पत्र का लिफाफा प्राप्त कर लें । ऐसा न करने पर जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी ।
8. मोबाईल फोन अथवा इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित हैं। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।
9. अभ्यर्थी अपने साथ उत्तर पत्रक की संलग्न कार्बन प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपान्तरों में से अंग्रेजी रूपान्तर मान्य होगा ।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई जायेगी और आर. पी. ई. (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 1992 के नियम 3 के तहत कार्यवाही की जायेगी। साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

1 Which one of the following is regarded as the criterion of truth by Descartes ?

(1) Fruitful activity (2) Clarity and distinctness

(3) Correspondence (4) Factuality

देकार्त के अनुसार निम्नलिखित में से कौन–सी सत्य की एक कसौटी है ?

(1) फलदायक क्रिया (2) सुस्पष्टता और विशिष्टता

(3) संवादिता (4) तथ्यात्मकता

2 The doctrine of pre-established harmony and law of sufficient reason make Leibniz' world completely

(1) Deterministic (2) Contingent

(3) Material (4) Anarchical

पूर्व स्थापित सामञ्जस्य एवं पर्याप्त हेतु का नियम लाइबनिज के संसार को बनाते हैं :

(1) नियतिवादी (2) संभाव्य (आकस्मिक)

(3) जड़ (4) अराजक

3 There are two kinds of theories in ethics : (i) duties are primarily valuable, and (ii) duties are valuable only as means to other valuable ends. The distinction between these theories is expressed as :

(1) ends and means

(2) deontological and teleological

(3) prescriptive and emotive

(4) ethical and meta-ethical

नीतिशास्त्र में दो प्रकार के सिद्धान्त होते हैं : (i) कर्तव्य ही मूलतः मूल्यवान् होते हैं और (ii) कर्तव्य अन्य मूल्यवान् साध्यों के साधन होते हैं । इन सिद्धान्तों में यह भेद कहलाता है :

(1) साधन और साध्य का

(2) फलनिरपेक्ष और प्रयोजनपरक का

(3) निर्देशात्मक और संवेगात्मक का

(4) नीतिशास्त्र और परा–नीतिशास्त्र का

4 Which one of the following is *apramā* (invalid cognition) ?

(1) *Pratyakṣa* (2) *Upamiti*

(3) *Anumiti* (4) *Tarka*

निम्नलिखित में से कौन–सा एक अप्रमा है ?

(1) प्रत्यक्ष (2) उपमिति

(3) अनुमिति (4) तर्क

5 Two propositions are materially equivalent if and only if

(1) they contain the same number of connectives

(2) they refer to the same state of affairs

(3) they receive different truth values under each valuation

(4) they receive the same truth value under each valuation

दो कथन यथार्थतः समानार्थक होते हैं, जब

(1) उनमें प्रयुक्त संयोजकों की संख्या बराबर हों

(2) वे एक ही विषय–वस्तु को इंगित करते हों

(3) प्रत्येक मूल्यांकन में उनके सत्यात्मक मूल्य भिन्न हों

(4) प्रत्येक मूल्यांकन में उनके सत्यात्मक मूल्य समान हों

6 Which one of the following is <u>not</u> true of Wittgenstein's *Tractatus Logico Philosophicus* ?

(1) The structure of language is isomorphic with the structure of reality

(2) Names are the ultimate constituents of language

(3) The structure of an object corresponds to the structure of a name

(4) Objects are the ultimate constituents of reality

निम्नलिखित में से कौन–सा एक विट्गेन्स्टाईन द्वारा लिखित *ट्रैक्टेटस लॉजिको फिलोसॉफिक्स* के बारे में सत्य <u>नहीं</u> है ?

(1) भाषा की संरचना वास्तविकता की संरचना के समरूप है

(2) भाषा नामों से बनी है

(3) विषय की संरचना नाम की संरचना के अनुरूप है

(4) विषय सत्ता के अन्तिम घटक हैं

7 According to Plato Ideas are not

(1) Real (2) Mental

(3) Perfect (4) Eternal

प्लेटो के अनुसार प्रत्यय नहीं है

(1) सत् (2) मानसिक

(3) पूर्ण (4) शाश्वत

8 According to logical positivists moral judgements are utterances about

(1) factual states

(2) relations

(3) emotive states

(4) cognitive states

तार्किक प्रत्यक्षवादियों के अनुसार नैतिक निर्णय होते हैं

(1) तथ्यात्मक स्थितियों के बारे में

(2) सम्बन्धों के बारे में

(3) संवेगात्मक स्थितियों के बारे में

(4) संज्ञानात्मक स्थितियों के बारे में

9 Skeptic Hume holds

(1) Knowledge is always certain

(2) Certain knowledge of matters of facts is not possible

(3) Certain knowledge of relations of ideas is not possible

(4) Experience presupposes experiencer and this experiencer is Soul

संशयवादी ह्यूम की मान्यता है

(1) ज्ञान सदैव निश्चित होता है

(2) तथ्यों का निश्चित ज्ञान संभव नहीं है

(3) प्रत्ययों के सम्बन्ध का निश्चित ज्ञान संभव नहीं है

(4) अनुभव से अनुभवकर्ता की पूर्वापेक्षा होती है और यह अनुभवकर्ता आत्मा है

10 'Problems of philosophy arise when language goes on holiday' is a view given by

(1) Ryle (2) Russell

(3) Wittgenstein (4) A. J. Ayer

'दार्शनिक समस्याएँ तब उत्पन्न होती हैं जब भाषा छुट्टी पर होती है।' यह मत प्रस्तुत किया है

(1) राइल ने (2) रसेल ने

(3) विट्गेन्स्टाइन ने (4) ए. जे. आयर ने

11 Expression '$p \rightarrow q$' is tautologically equal to

(1) $-p \vee q$ (2) $p \vee -q$

(3) $\sim q \rightarrow p$ (4) $\sim (p \cdot q)$

अभिव्यक्ति '$p \rightarrow q$' समतुल्य है

(1) $-p \vee q$ के (2) $p \vee -q$ के

(3) $\sim q \rightarrow p$ के (4) $\sim (p \cdot q)$ के

12 According to Hume, all our reasonings concerning matters of fact are based on :

(1) contiguity in time (2) cause and effect

(3) contiguity in space (4) impression and ideas

ह्यूम के अनुसार तथ्यात्मक विषयों के बारे में हमारे सभी तर्क आधारित होते हैं

(1) काल की निस्तरता में (2) कारण और परिणाम में

(3) देश की निस्तरता में (4) संस्कारों और प्रत्ययों में

13 According to Kant good will is

(1) conditional, intrinsic good

(2) unconditional, extrinsic good

(3) unconditional, intrinsic good

(4) conditional, extrinsic good

काण्ट के अनुसार शुभ संकल्प है –

(1) सोपाधिक, आन्तरिक शुभ

(2) निरुपाधिक, बाह्य शुभ

(3) निरुपाधिक, आन्तरिक शुभ

(4) सोपाधिक, बाह्य शुभ

14 Religious tolerance presupposes

(1) Inexistence of true religion

(2) Belief in the absolute truth of all religions

(3) Multiplicity of religions

(4) Insignificance of religion

धार्मिक सहिष्णुता की पूर्वमान्यता है

(1) सत्य धर्म का अनस्तित्व

(2) सभी धर्मों के सत्य की निरपेक्षता में विश्वास

(3) धर्मों की बहुलता

(4) धर्म की महत्त्वहीनता

15 Thinker who changed the saying 'God is truth' to 'Truth is God', was

(1) Mahatma Gandhi

(2) Radhakrishnan

(3) Vivekananda

(4) Ambedkar

विचारक जिसने उक्ति 'ईश्वर सत्य है' को 'सत्य ही ईश्वर है' में परिवर्तित किया, वह था

(1) महात्मा गाँधी

(2) राधाकृष्णन्

(3) विवेकानन्द

(4) अम्बेडकर

16 According to Kant in 'the kingdom of ends' :

(1) everyone will be a means and no one will be treated as an end

(2) everyone will be an end and no one will be treated as means

(3) no one will be a means and no one will be an end

(4) some will be means and others shall be an end

काण्ट के अनुसार 'साध्यों का सम्राज्य' होता है

(1) सभी साधन है और किसी को भी साध्य नहीं माना जायेगा

(2) सभी साध्य है और किसी को भी साधन नहीं माना जायेगा

(3) न तो कोई साधन होगा, न ही कोई साध्य होगा

(4) कुछ लोग साधन होंगे और अन्य साध्य होंगे

17 According to Chārvāka

(1) There is no consciousness

(2) Soul is the substratum of consciousness

(3) Consciousness is an epiphenomenon of matter

(4) Consciousness alone exists and matter is an illusion

चार्वाक के अनुसार

(1) चेतना का अस्तित्व नहीं है

(2) आत्मा, चेतना का आधार द्रव्य है

(3) चेतना जड़ का उपोत्पाद है

(4) केवल चेतना का अस्तित्व है तथा जड़ एक भ्रम है

18 According to Kant belief in God is :

(1) a presupposition of ethics

(2) totally irrelevant to ethics

(3) sometimes relevant and at other times irrelevant to ethics

(4) accidental to ethics

काण्ट के अनुसार ईश्वर में विश्वास

(1) नैतिकता की पूर्वमान्यता है

(2) नीति–दर्शन के लिए अप्रासंगिक है

(3) कभी तो प्रासंगिक होती है कभी अप्रासंगिक

(4) नीतिशास्त्र के लिए आकस्मिक है

19 According to Moore 'Good' is :

(1) natural and definable

(2) natural but not definable

(3) non-natural but definable

(4) non-natural and not definable

मूर के अनुसार 'शुभ' है

(1) प्राकृतिक एवं परिभाष्य

(2) प्राकृतिक किन्तु अपरिभाष्य

(3) निः प्राकृतिक किन्तु परिभाष्य

(4) निः प्राकृतिक एवं अपरिभाष्य

20 Vyāpti relation is

(1) the indeterminate and unconditional relation of Hetu and Sādhya

(2) the accidental relation of Hetu and Sādhya

(3) the necessary and unconditional relation of Hetu and Sādhya

(4) the conditional relation of Hetu and Sādhya

व्याप्ति सम्बन्ध है :

(1) हेतु और साध्य में अनियत एवं अनौपाधिक सम्बन्ध है

(2) हेतु और साध्य में आकस्मिक सम्बन्ध है

(3) हेतु और साध्य में नियत एवं अनौपाधिक सम्बन्ध है

(4) हेतु और साध्य में सोपाधिक सम्बन्ध है

21 The branch of Ethics which deals with analysis of moral terms is called

(1) Normative ethics (2) Virtue ethics

(3) Metaethics (4) Applied ethics

दर्शन की वह शाखा, जो नैतिक पदों का विश्लेषण करती है, कहलाती है

(1) नियामक नीतिशास्त्र (2) सद्‌गुण नीतिशास्त्र

(3) अधिनीतिशास्त्र (4) अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र

22 Ānupūrvi is -

(1) Naiyāyika theory of sentence formation

(2) Buddhist theory of meaning

(3) Sankhya theory of relation

(4) Mīmāṃsaka view of the sequence of words

आनुपूर्वी है --

(1) न्याय का वाक्य संरचना सिद्धान्त

(2) बौद्ध दर्शन का अर्थ सिद्धान्त

(3) सांख्य का सम्बन्ध का सिद्धान्त

(4) मीमांसा का शब्दक्रम सिद्धान्त

23 According to Sāṃkhya Prakriti is not

(1) inactive (2) complex

(3) Root cause (4) object of knowledge

सांख्य के अनुसार प्रकृति नहीं है

(1) निष्क्रिय (2) जटिल

(3) मूल कारण (4) ज्ञान का विषय

24 'Rights presuppose duties' implies

(1) Rights can be ignored

(2) Duties can be ignored

(3) Neither rights nor duties can be ignored

(4) Rights and duties are mutually related

'कर्त्तव्य अधिकारों की पूर्वमान्यता है' का अर्थ है :

(1) अधिकारों की अवहेलना की जा सकती है

(2) कर्त्तव्यों की अवहेलना की जा सकती है

(3) न तो कर्त्तव्यों, न ही अधिकारों की अवहेलना की जा सकती है

(4) अधिकारों और कर्त्तव्यों में पारस्पारिक सम्बन्ध है

25 The famous feminist philosophical book "The Second Sex" is written by

(1) Silvia Wevley (2) Susan Langer

(3) Simone de-Beauvoir (4) Kamladas

प्रसिद्ध नारीवादी दार्शनिक पुस्तक "सैकिन्ड सैक्स" की लेखिका हैं :

(1) सिल्विया वैव्ले (2) सुसन लैंगर

(3) सिमोन दिबुवा (4) कमलादास

26 Values which are means to something else are called

(1) intrinsic values (2) instrumental values

(3) ends in themselves (4) basic values

वे मूल्य जो किन्हीं अन्य विषयों के साधन होते हैं, कहलाते हैं :

(1) तात्त्विक मूल्य (2) साधन मूल्य

(3) साध्य मूल्य (4) आधारभूत मूल्य

27 Distributive justice lays down principles specifying the just distribution of

(1) benefits but not burdens

(2) burdens but not benefits

(3) neither burdens nor benefits

(4) burdens and benefits both

वितरणात्मक न्याय ऐसे सिद्धान्तों की अवधारणा है जो निम्न में किसी एक के, न्यायपूर्ण वितरण का समर्थन करते हैं

(1) हितों पर, न कि भार पर

(2) भार, लेकिन हित नहीं

(3) न तो हित, न ही भार

(4) हित और भार दोनों

28 "Akāla Purukh" in Sikkhism stands for

(1) Immortal soul

(2) Highest religious seat

(3) One formless universal power

(4) Gurugrantha Sahab

सिक्ख धर्म में 'अकाल पुरुख' है

(1) अमर आत्मा

(2) सर्वोच्य धार्मिक पीठ

(3) निराकार सार्वभौमिक अद्वैत शक्ति

(4) गुरुग्रन्थ साहब

29 According to Nyāya universals are

(1) objective and eternal

(2) mental concept of human being

(3) only a common name

(4) ideas of God's mind

न्याय के अनुसार सामान्य हैं :

(1) वस्तुनिष्ठ और शाश्वत

(2) मानव के मानसिक सम्प्रत्यय

(3) एक सामान्य नाम मात्र

(4) ईश्वर के मन में स्थित प्रत्यय

30 "Just as there is already a final form of the table in the mind of the carpenter even before he makes it, there is also a final form of a fully grown tree in its seed." This is the view of

(1) Socrates

(2) Plato

(3) Aristotle

(4) Parmenides

"जिस प्रकार बनाने से पहले ही बढ़ई के मन में मेज का अन्तिम आकार होता है, उसी प्रकार बीज में भी पहले से ही पूर्णतः विकसित वृक्ष का अन्तिम आकार होता है ।" यह मत है

(1) सुकरात का

(2) प्लेटो का

(3) अरस्तू का

(4) पारमेनाईडस का

31 Philosopher associated with clear distinction between 'knowledge by acquintance' and 'knowledge by description' is

(1) G. Ryle
(2) B. Russell
(3) Aristotle
(4) G. E. Moor

'परिचयात्मक ज्ञान' एवं 'वर्णन द्वारा ज्ञान' के स्पष्ट भेद के प्रस्तुतकर्ता दार्शनिक हैं

(1) जी. राईल
(2) बी. रसेल
(3) अरस्तू
(4) जी. ई. मूर

32 Ethics is the study of the concepts involved in :

(1) pure reasoning
(2) practical reasoning
(3) abstract reasoning
(4) speculative reasoning

नीतिशास्त्र निम्न में से किस एक प्रत्यय का अध्ययन करता है ?

(1) शुद्ध तर्कणा का
(2) व्यावहारिक तर्कणा का
(3) अमूर्त तर्कणा का
(4) सैद्धान्तिक तर्कणा का

33 Which one of the following is <u>not</u> a *niyama* in the Yoga school ?

(1) *aparigraha*
(2) *santoṣa*
(3) *Tapaḥ*
(4) *swadhyaya*

निम्न में से कौन–सा एक योग–दर्शन के अनुसार 'नियम' <u>नहीं</u> कहा जा सकता है ?

(1) अपरिग्रह
(2) संतोष
(3) तप:
(4) स्वाध्याय

34 Buddhists uphold that perception is the cognition of :

(1) *Sāmānya lakṣaṇa* (2) Eternal realities

(3) *Svalakṣaṇa* (4) *Skandhas*

बौद्धों के अनुसार प्रत्यक्ष, ज्ञान होता है :

(1) सामान्य लक्षण का (2) शाश्वत सत्ताओं का

(3) स्वलक्षण का (4) स्कन्ध का

35 Nyāya theory of causation is known as

(1) Sat-asatkāryavāda (2) Pariṇāmavāda

(3) Asatkāryavāda (4) Vivartvāda

न्याय दर्शन का कारणता सिद्धान्त कहलाता है

(1) सत्–असत्कार्यवाद (2) परिणामवाद

(3) असत्कार्यवाद (4) विवर्तवाद

36 Which one of the following definitions of pratyakṣa is acceptable to Buddhist ?

(1) Kalpanāpaudham abhrāntam jñānam pratyakṣam.

(2) Indriyārthasannikarshoutapannam -avyapadeshya - avyabhichari - vyavasāyātmakam jñānam pratyakṣam.

(3) Prativishayadhyavasayo dṛṣṭam.

(4) Atamamatrasapekṣam jñānam pratyakṣam.

निम्नलिखित परिभाषाओं में से बौद्ध दर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष की परिभाषा है :

(1) कल्पनापौढ्मभ्रान्तं ज्ञानं प्रत्यक्षम्।

(2) इन्द्रियार्थसन्निकर्षोत्पन्नमव्यपदेश्याव्यभिचारी व्यवसायात्मकं ज्ञानं प्रत्यक्षम्।

(3) प्रतिविषयाध्यवसायो दृष्टम्।

(4) आत्ममात्रसापेक्षं ज्ञानं प्रत्यक्षम्।

37 According to Śaṃkaracharya nature of reality is

(1) Arthakriyākāritva (2) Utpadavyayadhrouvya

(3) Trikālābadhitva (4) Existence in space and time

शङ्कराचार्य के अनुसार सत्ता का लक्षण है

(1) अर्थक्रियाकारित्व (2) उत्पादव्ययध्रौव्य

(3) त्रिकालाबाधित्व (4) देश और काल में स्थित

38 *Anupalabdhi* as a *pramāṇa* is acceptable to :

(1) Kumarila only

(2) Prabhakara only

(3) both to Kumarila and Prabhakara

(4) neither to Kumarila nor to Prabhakara

प्रमाण के रूप में अनुपलब्धि स्वीकार्य है :

(1) केवल कुमारिल को

(2) केवल प्रभाकर को

(3) कुमारिल और प्रभाकर दोनों को

(4) न तो कुमारिल को, न ही प्रभाकर को

39 When two scientific hypotheses explaining the same range of facts are mutually contradictory, a decision has to be taken by

(1) ascertaining the opinion of most important scientists

(2) designing an experiment whose result can be explained only by one of them

(3) putting to vote, if common agreement is not possible

(4) consulting prior scientific literature in such matters

जब समान तथ्यों के समूह की व्याख्या करने वाली दो वैज्ञानिक प्राक्कल्पनाएँ परस्पर विरोधी हों तो उनमें से एक को सत्य स्वीकार करने का आधार होगा

(1) महत्वपूर्ण वैज्ञानिकों की सहमति के अनुसार

(2) ऐसे प्रयोग द्वारा जिसका परिणाम केवल एक प्राक्कल्पना का समर्थन करता हो

(3) यदि सहमति न बन पाए तो मतदान द्वारा

(4) ऐसे विषयों के बारे में पूर्व वैज्ञानिक साहित्य के आधार पर

40 The principle of strong verifiability upholds that a cognitively meaningful statement is

(1) conclusively verified (2) falsifiable

(3) possibly verifiable (4) not related to truth

सशक्त सत्यापन सिद्धान्त के अनुसार संज्ञानवादी सार्थक कथन होते हैं

(1) पूर्णतः सत्यापित (2) असत्यापनीय

(3) सम्भाव्य रूप से सत्यापनीय (4) सत्य से असंबंधित

41 Revelation in religion means

(1) special dispensation by the divine

(2) special dispensation by a text

(3) dispensation understood through reason alone

(4) dispensation by the saints

धर्म में श्रुति / प्रकाशना का अर्थ है :

(1) दैवीशक्ति द्वारा किया गया विशिष्ट विधान

(2) किसी ग्रन्थ द्वारा प्रस्तुत विशिष्ट विधान

(3) केवल तर्कबुद्धि द्वारा समझे जाने वाले विधान

(4) सन्तों द्वारा दिया गया विधान

42 According to Locke mind imposes on object

(1) primary qualities (2) secondary qualities

(3) super qualities (4) latent qualities

लॉक के अनुसार मन अपने विषय पर आरोपित करता है

(1) मूल गुण (2) गौण गुण

(3) सर्वोच्च गुण (4) अव्यक्त गुण

43 The problem of intentionality is that of understanding

(1) the relation between a mental state and its corresponding physical state

(2) the relation between different mental states

(3) the relation between a mental state and the objects it is about

(4) the relation between different bodily states

साभिप्रायता (इंटेशनैलिटि) की समस्या में निहित है :

(1) मानसिक स्थिति और उसके अनुरूप भौतिक स्थिति से सम्बन्ध

(2) विभिन्न मानसिक स्थितियों में सम्बन्ध

(3) मानसिक स्थिति और उसके अनुरूप विषयों से सम्बन्ध

(4) विभिन्न भौतिक परिस्थितियों में सम्बन्ध

44 The definition which proceeds by simply showing what is intended is called

(1) narrow definition

(2) wide definition

(3) ostensive definition

(4) extensive definition

वह परिभाषा जो अपने अभिप्रेत विषय को केवल इंगित करती है, उसे कहते हैं

(1) संकुचित परिभाषा

(2) बृहत् परिभाषा

(3) निदर्शनात्मक परिभाषा

(4) विकसित परिभाषा

45 The view that the truth of a proposition consists in its confirmity with truth of other previously established propositions is

(1) Correspondence theory of truth

(2) Coherence theory of truth

(3) Pragmatic theory of truth

(4) Semantic theory of truth

इस मत के अनुसार प्रतिज्ञप्ति की सत्यता, अन्य पूर्वस्थापित प्रतिज्ञप्तियों पर निर्भर करती है

(1) सत्य का संवादिता सिद्धान्त

(2) सत्य का संसक्तता सिद्धान्त

(3) सत्य का प्रयोजनवादी सिद्धान्त

(4) सत्य का अर्थमीमांसीय सिद्धान्त

46 "Logical and philosophical analysis of language ultimately results in 'atoms' of meaning". This theory is called

(1) analytical atomism

(2) logical atomism

(3) empirical atomism

(4) theoretical atomism

"भाषा के तार्किक और दार्शनिक विश्लेषण का परिणाम अन्ततः 'अर्थ के अणु' होता है ।" यह सिद्धान्त कहलाता है :

(1) विश्लेषात्मक अणुवाद

(2) तार्किक अणुवाद

(3) आनुभविक अणुवाद

(4) सैद्धान्तिक अणुवाद

47 Which of the following believe that the essential nature of things is disclosed by reason rather than the senses ?

(1) Descartes and Spinoza

(2) Descartes and Locke

(3) Spinoza and Locke

(4) Leibnitz and Hume

निम्नलिखित में से कौन मानता है कि विषयों के स्वभाव का पता हमें इन्द्रियों की बजाय बुद्धि से चलता है ?

(1) देकार्त और स्पिनोज़ा

(2) देकार्त और लॉक

(3) स्पिनोज़ा और लॉक

(4) लाइब्नित्ज और ह्यूम

48 Solipsism implies

(1) only oneself and others' experience exists

(2) only others and my experience exists

(3) I exist alongwith the experience of others

(4) only oneself and ones experience exists

अहंमात्रवाद का प्रभिप्राय है

(1) केवल मैं और अन्य व्यक्तियों का अनुभव सत्तावान् होते हैं

(2) केवल अन्य और मेरे अनुभव की सत्ता है

(3) अन्य व्यक्तियों के साथ–साथ मेरी सत्ता है

(4) केवल मेरी और मेरे अनुभवों की सत्ता है

49 'Soldiers are never coward' is a proposition of the form :

(1) I
(2) A
(3) E
(4) O

'सिपाही कभी भी कायर नहीं होते', इस प्रतिज्ञप्ति का आकार है :

(1) आई (I)
(2) ए (A)
(3) ई (E)
(4) ओ (O)

50 In the traditional square of opposition, if I proposition is false, which one of the following can be determined ?

(1) A, E and O are undetermined
(2) A, E and O are false
(3) A is true, E is true and O is false
(4) A is false, E is true and O is true

पारम्परिक विरोधात्मक चतुर्वर्ग में यदि 'I' प्रतिज्ञप्ति असत्य हो तो निम्न में से किस एक का निर्धारण किया जा सकता है ?

(1) A, E और O अनिर्धारित हैं
(2) A, E और O असत्य हैं
(3) A सत्य है, E सत्य है और O असत्य है
(4) A असत्य है, E सत्य है और O सत्य है

51 A logical proposition is necessarily

(1) true
(2) either true or false
(3) true and false both
(4) neither true nor false

एक तार्किक प्रतिज्ञप्ति होती है

(1) सत्य
(2) या तो सत्य या असत्य
(3) एक साथ सत्य और असत्य दोनों
(4) न सत्य, न असत्य

52 Which one of the following is not truth functional proposition ?

(1) All cows are black

(2) If Socrates is a man, then he is mortal

(3) x is pretty

(4) For any x, if x is a man, then that x is rational

निम्नलिखित में से कौन–सी एक प्रतिज्ञप्ति सत्यता फलनात्मक नहीं है ?

(1) सभी गाएँ काली होती हैं

(2) यदि सुकरात मनुष्य हैं तो वह मरणशील है

(3) 'क' सुंदर है

(4) सभी 'क' के लिए, यदि 'क' मनुष्य है तो वह 'क' तर्कणाशील है

53 "All men are wise" is symbolized as

(1) $(x) M_x \rightarrow W_x$

(2) $(x) M_x \rightarrow -W_x$

(3) $(\exists_x) M_x \ \& \ W_x$

(4) $\exists_x \ M_x \ \& -W_x$

"सभी मनुष्य बुद्धिमान् हैं" का प्रतीकात्मक रूपान्तरण है

(1) (क्ष) म$_{\text{क्ष}}$ → ब$_{\text{क्ष}}$

(2) (क्ष) म$_{\text{क्ष}}$ → –ब$_{\text{क्ष}}$

(3) (∃$_{\text{क्ष}}$) म$_{\text{क्ष}}$ & ब$_{\text{क्ष}}$

(4) (∃$_{\text{क्ष}}$) म$_{\text{क्ष}}$ & –ब$_{\text{क्ष}}$

54 The syllogism 'Some lions are friendly; no friendly things roar; therefore no lions roar'

(1) is a valid syllogism

(2) commits the fallacy of illicit major

(3) commits the fallacy of four terms

(4) commits the fallacy of illicit minor

'कुछ शेर मित्रवत् होते हैं; कोई भी मित्रवत् प्राणी गरजता नहीं है; अतः कोई शेर गरजता नहीं है' यह तर्क वाक्य :

(1) वैध न्याय वाक्य है

(2) अव्याप्त मुख्य पद दोषयुक्त है

(3) चतुष्पद दोषयुक्त है

(4) अव्याप्त अमुख्य पद दोषयुक्त है

55 The inductive logic studies the way, in which premises may

(1) support and entail a conclusion

(2) not support but entail a conclusion

(3) neither support nor entail a conclusion

(4) support a conclusion without entailing it

आगमनात्मक तर्क अध्ययन करता है उस तरीके का जिससे आधारवाक्य से

(1) निष्कर्ष को समर्थन मिले और उससे वह निगमित हों

(2) समर्थन न मिले किन्तु उससे वह निगमित हों

(3) न तो समर्थन मिले; न ही वह निगमित हों

(4) निष्कर्ष को समर्थन तो मिले, लेकिन वह निगमित न हों

56 A proposition has an existential import means

(1) non-existence of the object indicated by its subject term.

(2) the demand for the existence of something.

(3) the existence of the object indicated by its subject term is possible.

(4) the existence of atleast one instance of the object indicated by its subject term.

एक प्रतिज्ञप्ति में 'अस्तित्वपरक तात्पर्य' से अभिप्राय है :

(1) उसके उद्देश्य पद द्वारा वाच्य पदार्थ की सत्ता नहीं है।

(2) यह किसी पदार्थ की सत्ता की मांग करता है।

(3) उसके उद्देश्य पद द्वारा वाच्य पदार्थ की सत्ता सम्भाव्य है।

(4) उसके उद्देश्य पद द्वारा वाच्य पदार्थ के कम से कम एक उदाहरण का अस्तित्व है।

57 'Bad faith' arises when we

(1) do not blame ourselves for our actions

(2) accept that we are the authors of our actions

(3) hold that circumstances are not responsible for our actions

(4) deny our own authorship of our actions

'दुरास्था' तब उत्पन्न होती है, जब

(1) हम अपने कर्मों के लिए स्वयं को दोष नहीं देते हैं

(2) हम यह मानते हैं कि स्वयं के कर्मों के लिए हम ही जिम्मेदार हैं

(3) हम यह मानते हैं कि हमारे कर्मों के लिए परिस्थितियाँ जिम्मेदार नहीं हैं

(4) हम स्वयं के कर्मों के लिए स्वयं को जिम्मेदार नहीं मानते

58 Proposition, in which subject and predicate both terms are distributed, is called

(1) A
(2) E
(3) I
(4) O

प्रतिज्ञप्ति, जिसमें उद्देश्य और विधेय दोनों ही पद व्याप्त होते हैं, कहलाती हैं

(1) A
(2) E
(3) I
(4) O

59 In declaring 'knowledge is virtue' Socrates means

(1) knowledge is necessary but not sufficient for virtue.
(2) knowledge is sufficient but not necessary for virtue.
(3) knowledge is neither necessary nor sufficient for virtue.
(4) knowledge is both necessary and sufficient for virtue.

'ज्ञान ही सद्गुण है' की घोषणा से सुकरात का तात्पर्य है

(1) ज्ञान सद्गुण के लिये अनिवार्य है किन्तु पर्याप्त नहीं है।
(2) ज्ञान सद्गुण के लिये पर्याप्त है किन्तु अनिवार्य नहीं है।
(3) ज्ञान सद्गुण के लिये न तो अनिवार्य है और न ही पर्याप्त है।
(4) ज्ञान सद्गुण के लिये अनिवार्य और पर्याप्त दोनों है।

60 Contrary propositions can be

(1) true together
(2) false together
(3) true and false together
(4) neither true nor false together

विपरीतक प्रतिज्ञप्तियाँ :

(1) एक साथ सत्य हो सकती हैं
(2) एक साथ असत्य हो सकती हैं
(3) एक साथ सत्य और असत्य हो सकती हैं
(4) न तो सत्य न ही असत्य हो सकती हैं

61 'If you want to look wise, stay quiet', is an example of

(1) categorical imperative

(2) hypothetical imperative

(3) legal imperative

(4) moral imperative

'यदि आप बुद्धिमान् दिखना चाहते हैं तो चुप रहिए' यह उदाहरण है

(1) निरपेक्ष आदेश का

(2) सापेक्ष आदेश का

(3) कानूनी आदेश का

(4) नैतिक आदेश का

62 When one mistakes one kind of facts with some other kind, one commits

(1) a hypothetical mistake

(2) a legal mistake

(3) an ethical mistake

(4) a categorical mistake

जब हम एक प्रकार के तथ्यों को अन्य प्रकार के तथ्यों के समान मानते हैं तो वह है :

(1) सापेक्ष त्रुटि

(2) कानूनी त्रुटि

(3) नैतिक त्रुटि

(4) कोटि–दोष

63 According to Nairātmyavāda

(1) Consciousness is a quality of body and soul does not exist.

(2) Any kind of eternal substance does not exist.

(3) Material substance exists but soul does not exist.

(4) Both material and spiritual substances exist.

नैरात्म्यवाद के अनुसार

(1) चेतना शरीर का गुण है और आत्मा की सत्ता नहीं है।

(2) किसी भी प्रकार के शाश्वत द्रव्य की सत्ता नहीं है।

(3) भौतिक द्रव्य की सत्ता है लेकिन आत्मा की सत्ता नहीं है।

(4) भौतिक और आध्यात्मिक दोनों प्रकार के द्रव्यों की सत्ता है।

64 The true purpose of a logically proper name is to

(1) refer to an object

(2) refer to a complex

(3) indicate a state of affairs

(4) indicate a group

तर्कतः समीचीन नामों का वास्तविक उद्देश्य होता है :

(1) विषय को इंगित करना

(2) संश्लिष्ट को इंगित करना

(3) तथ्यों को इंगित करना

(4) समूह को इंगित करना

65 Emotivism upholds that ethical statements are meaningless because they do not convey

(1) psychological states (2) emotive states

(3) truths or falsehoods (4) ontological states

संवेगवादी सिद्धान्त के अनुसार नैतिक कथन निरर्थक होते हैं, क्योंकि ये सम्प्रेषित नहीं करते

(1) मनोवैज्ञानिक स्थितियाँ (2) संवेगात्मक स्थितियाँ

(3) सत्यता अथवा असत्यता (4) सत्तामीमांसीय स्थिति

66 The theory that objects are the permanent possibilities of sensation is called

(1) psychologism (2) phenomenalism

(3) phenomenology (4) idealism

वह सिद्धान्त जिसकी मान्यता है कि "संवेदना वस्तुओं की स्थायी संभावना हैं" कहा जाता है :

(1) मनोवैज्ञानिकवाद (2) संवृतिवाद

(3) संवृतिशास्त्र (4) विज्ञानवाद

67 According to Mīmāṃsakas, Vedas are :

(1) eternal and uncreated (2) created but everlasting

(3) existent until *pralaya* (4) creation of God

मीमांसकों के अनुसार वेद हैं

(1) शाश्वत और अपौरुषेय (2) अमर कृति

(3) प्रलय तक अस्तित्ववान् (4) ईश्वर की कृति

68 According to the Utilitarians, institution of punishment

(1) is unnecessary

(2) is barbaric

(3) provides better conditions of life

(4) worsens human condition

उपयोगितावादियों के अनुसार दण्ड का प्रावधान

(1) अनावश्यक है

(2) क्रूर है

(3) जीवन की बेहतरी के लिए है

(4) मानव स्थिति को बिगाड़ता है

69 Pantheism can be explained by saying

(1) God loves the universe

(2) God and universe are different

(3) God and the universe are one

(4) God is the creator of the universe

सर्वेश्वरवाद की व्याख्या की जाती है

(1) ईश्वर विश्व से प्रेम करता हैं

(2) ईश्वर और विश्व भिन्न हैं

(3) ईश्वर और विश्व एक ही हैं

(4) ईश्वर जगत् का रचनाकार हैं

70 The theory 'egoself' is propounded by

(1) Radhakrishnan (2) Iqbal

(3) R. D. Ranade (4) D. P. Chattopadhyaya

'अहं आत्मवाद' सिद्धान्त के प्रतिपादक हैं

(1) राधाकृष्णन (2) इकबाल

(3) आर. डी. रानाडे (4) डी. पी. चट्टोपाध्याय

71 According to Jainism, a liberated soul has

(1) no extension

(2) the same extension that of its body before its liberation

(3) all pervasive

(4) the extension greater than the body

जैन दर्शन के अनुसार मुक्त आत्मा का.

(1) कोई विस्तार नहीं होता

(2) कैवल्य से पूर्व शरीर के विस्तार के अनुसार

(3) सर्वमाप्य आकारानुसार

(4) विस्तार उसके शरीर से अधिक होता है

72 According to Nyāya-Vaiśeṣika, God is

(1) *upādānakāraṇa* of the world

(2) *samavāyikāraṇa* of the world

(3) *asamvāyikāraṇa* of the world

(4) *nimittakāraṇa* of the world

न्याय–वैशेषिक के अनुसार ईश्वर है

(1) जगत् का उपादानकारण

(2) जगत् का समवायीकारण

(3) जगत् का असमवायीकारण

(4) जगत् का निमित्तकारण

73 No heterodox system of Indian Philosophy accep...

(1) God (2) Soul

(3) Morality (4) Karmavada

भारतीय दर्शन को कोई भी नास्तिक दर्शन स्वीकार नहीं करता

(1) ईश्वर (2) आत्मा

(3) नैतिकता (4) कर्मवाद

74 According to Advaita Vedanta, the relation of Jīva and Brahman established by Mahāvākya "I am Brahman" is

(1) *aikya* (2) *samavāya*

(3) *sādṛśa* (4) *sāmīpya*

अद्वैत वेदान्त के अनुसार महावाक्य "मैं ही ब्रह्म हूँ" से प्रतिपादित जीव एवं ब्रह्म का सम्बन्ध है

(1) ऐक्य (2) समवाय

(3) सादृश्य (4) सामीप्य

75 The 'mean' in Aristotle's ethics is determined by

(1) self interest (2) Mathematical considerations

(3) Specific rules (4) Practical wisdom

अरस्तू के नीतिशास्त्र में मध्यममार्ग का अर्थ है :

(1) स्वार्थ (2) गणितीय मूल्य

(3) निश्चित नियम (4) व्यावहारिक ज्ञान

SPACE FOR ROUGH WORK / कच्चे काम के लिये जगह